violation of CTBT by the United States, by what is called the sub-critical N-test conducted recently; if so, the terms of their protest; and

(b) whether Government have also protested against the US sub-critical Test; if so, in what terms and the US reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI KAMLA SINHA): (a) Yes, Sir. China has noted that it is closely watching the US decision to conduct a series of underground tests. It also stressed that all countries should faithfully abide by stipulations in the nuclear test ban treaty.

(b)In a press statement on July 5, 1997, Government took note of the "sub-critical" test conducted by the United States on July 2, 1997 and expressed concern that the sub-critical nuclear test has been justified "as an activity permitted under the CTBT". India has been consistently pointing out that the CTBT in its present form contains loop-holes and without being placed in the context of a phased programme for global nuclear disarmament serves only a discriminatory non-proliferation intent rather than the urgent goal of global nuclear disarmament. The US Administration has not reached to India's statement.

Proposal to Accept LOC as International Boundary

2496. SHRI SHIV CHARAN SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are considering any proposal to accept LOC as International boundary along Pakistan India border on the North-West; and

(b) if so, its logic and justification?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SALEEM IQBAL SHERWANI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Facilities to stranded Afghan Sikh Families

2497. SHRI NARENDRA MOHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware that about 200 Afghan Sikh families are stranded in Peshawar for the last three months, after fleeing from war-torn Afghanistan;

(b) if so, whether any facilities have been provided, on humanitarian grounds, to these stranded families by Indian High Commission in Pakistan;

(c) whether Government have initiated any action for their repatriation to India; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SALEEM IQBAL SHERWANI): (a) to (d) Our High Commission in Islamabad is not aware of 200 Sikh families stranded in Peshawar, Pakistan. However, 205 Afghan Sikhs of whtch 175 are currently staying in Jalalabad, Afghhanistan and remaining in Pakistan requested for grant of visa to visit India. All these requests, barring eight which are still under process, have been cleared for issue of visa. 15 persons have have obtained their visas so far. The remaining 182 persons will be issued visas, on application, by the Indian High Commission in Islamabad.

श्रीलंका सरकार के व्यक्तियों द्वारा भारतीय नाविकों की हत्या किया जाना

2498. **श्री राघवजी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ महीनों में श्रीलंका सरकार के व्यक्तियों द्वारा बहुत से भारतीय मछुआरे और नाविक मारे गए हैं ;

(ख) यदि हां, तो गत 1 अप्रैल, 1996 से ऐसे कितने लोग मारे गए हैं और कितने घायल हुए हैं; और

(ग) केन्द्र सरकार ने इन हत्याओं को रोकने के लिए क्या प्रयास किए हैं, यदि कोई प्रयास नहीं किये गये हैं, तो इसके क्या कारण है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अलीम इकबाल शेरवानी) : (क) और (ख) सरकार को श्रीलंका जल क्षेत्र में भारतीय मछुआरों के खिलाफ हिंसा की खबरों की जानकारी है तथा सरकार इस बारे में चिन्तित है । श्रीलंका की सरकार ने तथाकथित अधिकांश वारदातों में अपने सुरक्षा बलों का हाथ होने से इंकार किया है। सरकार को 1 अप्रैल, 1996 से भारतीय नौकाओं पर फायरिंग की 30 वारदातों के संबंध में समाचार प्राप्त हुए हैं । इन वारदातों में 15 मछुआरों की मृत्यु हुई है तथा 43 अन्य मछुआरे घायल हुए हैं । श्रीलंका की सरकार ने इन, तथाकथित वारदातों में से केवल 5 में अपनी नौसेना का हाथ होने की बात स्वीकार की है। जिनमें चार मछुआरों की मृत्यु हुई है तथा नौ अन्य मछुआरे घायल हुए हैं। श्रीलंका की सरकार ने सूचित किया है कि भारत और श्रीलंका के बीच मौजूदा अच्छे संबंधों में विघटन पैदा करने के लिए लिट्टे सदैव मौके की तलाश में रहता है ।

(ग) भारतीय मछुआरों के सामने आई समस्याओं को श्रीलंका की सरकार के साथ उच्च स्तर पर उठाया गया है । दोनों ही पक्ष इन समस्याओं को निपटाने में मानवीय तथा सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर सहमत हुए हैं । श्रीलंका की सरकार ने हमें यह आश्वासन दिया है कि उन्होंने अपने सुरक्षा बलों को हिदायतें दी हैं कि श्रीलंका के जल क्षेत्र में भटके हुए भारतीय मछुआरों के साथ व्यवहार में इष्टतम संयम बरता जाए । तथापि, श्रीलंका की सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि श्रीलंका जल क्षेत्र में देश के उत्तरी भाग के आसपास सुरक्षा की गंभीर समस्या बनी हुई है । उन्होंने अपने जलक्षेत्र में लिट्टे की हिंसक गतिविधियों का भी हवाला दिया है । उन वारदातों के संबंध में जिनमें श्रीलंका की नौसेना की संलिप्तता स्वीकार की गई है, यह बताया गया है कि ये वारदातें या तो उस समय हुई हैं, जब श्रीलंका के समुद्री किनारों के समीप, श्रीलंका के जल क्षेत्र के संवेदनशील क्षेत्रों में पाए जाने के बाद संबंधित नौकाओं ने चेतावनी की परवाह नहीं की थी अथवा संभवत: श्रीलंका के सुरक्षा बलों और लिट्टे के बीच परस्पर गोलाबारी के दौरान ये वारदातें हुई हों ।

भारत ने हाल की उच्च स्तरीय बातचीत के दौरान अपने मछुआरों के विरुद्ध हुई हिंसा की वारदातों पर अपनी चिन्ता व्यक्त की है । श्रीलंका के एक शिष्टमण्डल के साथ भी विचार-विमर्श किया था, जिसके दौरान इस प्रकार की वारदातों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए एक क्रिया-विधि संबंधी आवश्यकता को दोहराया गया है ।

Pakistan's Readiness to sign nuclear arms Treaty with India

2499. SHRI AKHILESH DAS: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item published in the Hindu dated the 27th July, 1997, under the caption 'Pak ready to sign N-arms treaty with India';

(b) if so, what is Government's reaction thereto;

(c) whether Government are aware of the Pakistan statement to the effect that Islamabad was collaborating with China in the defence field, particularly on hi-tech tanks; and

(d) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATII KAMLA SINHA): (a) and (b) Yes, Sir. The dialogue with Pakistan has been resumed at the Foreign Secretary level and, following the last round of discussions in Islamabad, a Joint Statement was issued which envisages discussions on "peace and security" issues.